माउंट एवरेस्ट बेस कैम्प में भारतीय महिला की मौत : पेसमेकर लगा था, 250 मीटर चढ़ने में लगे थे 12 घंटे ; 3 दिन में चौथी मौत

काठमांडू।
माउंट एवरेस्ट फतह करने की जिद ने एक भारतीय महिला की जान ले ली। महाराष्ट्र की रहने वाली 59 साल की सुजैन लियोपोल्डिना जीसस को पेसमेकर लगा था। लेकिन वह इसी फिजिकल कंडीशन के साथ एवरेस्ट पर चढ़ाई का रिकॉर्ड बनाना चाहती थी। बेस कैम्प से महज 250 मीटर की चढ़ाई करने में उसे 12 घंटे का समय लगा। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। 18 मई को लुकला के हॉस्पिटल में उसने दम तोड़ दिया। पिछले 3 दिनों में यह चौथी घटना है। मार्च से शुरू हुए मौजूदा सीजन के दौरान अब तक माउंट एवरेस्ट पर 8 चीनी और भारतीय पर्वतारोहियों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल 175 पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट पर चढ़ रहे हैं।

4 दिन में इन लोगों की मौत हुई - 18 मई: साउथ समिट के पास अज्ञात चीनी पर्वतारोही की चोटी पर चढ़ाई के दौरान मौत हो गई। यह पर्वतारोही आई ग्लास बदलने की कोशिश कर रहा था और उसने डेथ जोन (26,000+ फीट) में अपना ऑक्सीजन टैंक हटा दिया था। मुंबई की रहने वाली सुजैन की बेस कैंप में 6 दिन की बीमारी के बाद मौत हो गई। सुज़ैन को जबरन लुकला में ले जाया गया था। वे किसी भी कीमत पर माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना चाहती थीं। साउथ कोल में बीमार पड़ने के बाद मोल्दोवा के एक व्यक्ति की कैंप-4 में मौत हो गई। विक्टर ब्रिन्जा नाम के शख्स को विक्टर मेलनिक कहा जाता था। उसने अपने फेसबुक पेज पर एवरेस्ट बेस कैंप से तस्वीरें पोस्ट की थीं। नेपाल की सेना की टीम के साथ चढ़ाई कर रहे फुरबा शेरपा की शिखर से नीचे उतरने के दौरान मौत हो गई। उनकी मौत की डीटेल क्लियर नहीं है। ग्लेशियर हिमालय हाइकिंग कंपनी के टेंडी शेरपा ने बताया कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने से पहले प्रैक्टिस सेशन होता है। सुजैन को उसमें ही दिक्कत होना शुरू हो गई थी। उन्हें मना किया गया लेकिन वे जिद पर अड़ी रहीं। बेस कैंप से केवल 250 मीटर ऊपर बने क्रॉम्पटन प्वाइंट तक पहुंचने में सुजैन को पहली कोशिश में 5 घंटे, दूसरी कोशिश में 6 घंटे और तीसरी कोशिश में 12 घंटे लगे गए थे। सामान्य और स्वस्थ्य पर्वतारोहियों को यहां पहुंचने में 15-20 मिनट लगते हैं। सुजैन की हालत बिगड़ने पर उन्हें बेस कैंप छोड़ने से मना किया गया। लेकिन वे नहीं मानीं। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी कीमत पर माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना है। बाद में सुजैन को जबरदस्ती लुकला ले जाया गया। जहां 6 दिन एडमिट रहने के बाद उनकी मौत हो गई। उनका परिवार काठमांडू पहुंचेगा।

न्यूज ब्रीफ

पेशावर में बम ब्लास्ट, मोटरसाइकिल में रखा था विस्फोटक; एक व्यक्ति की मौत और तीन घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में विस्फोट हुआ। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह धमाका एक मोटरसाइकिल में हुआ, बदमाशों ने इस बाइक में बम रखा हुआ था। इसी के विस्फोट से एक की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। पेशावर पाकिस्तान का छठा सबसे बड़ा शहर और खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कहा कि विस्फोट एक मोटरसाइकिल में रखे बम के फटने के बाद हुआ। हम विस्फोट की प्रकृति के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि विस्फोट तब हुआ जब मोटरसाइकिल की मरम्मत की जा रही थी। यह घटना पेशावर शहर के रिंग रोड स्थित एक होटल के पास हुई। एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल ठीक कराने के लिए दुकान में गया था। मैकेनिक मोटरसाइकिल की मरम्मत कर ही रहा था, तब ही उसमें विस्फोट हुआ। इस घटना से वहां भाग-दौड़ और दहशत मच गई। विस्फोट के समय दुकान में मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई। हालांकि अभी तक मृतक की पहचान नहीं की गई है। इस विस्फोट से दुकान और उसके आस-पास के ढांचों को काफी नुकसान पहुंचा है। पुलिस के मुताबिक, तीन घायलों में मोटरसाइकिल का मालिक भी शामिल है, जबकि एक घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। बम डिस्पोजल टीम के एक बयान के अनुसार, विस्फोट में 200 ग्राम के इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, परिवार से जुड़ी घटनाओं में अक्सर आईईडी का इस्तेमाल होता है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में आगे जांच की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन पर 30 क्रूज मिसाइलें दागीं, धमाकों से थर्राया कीव, मलबे से इमारत में लगी आग

कीव। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव और ओडेसा क्षेत्र पर बृहस्पतिवार को तड़के 30 क्रूज मिसाइलें दागीं। यूक्रेनी वायु रक्षा बलों का दावा है कि इनमें से 29 को मार गिराया गया। इसके साथ ही रूस के दो बमवर्षक विमान और दो टोही ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया गया है। ओडेसा के सैन्य प्रशासन के प्रवक्ता सरहेई ब्रैतचक ने बताया कि एक रूसी मिसाइल क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक औद्योगिक प्रतिष्ठान से जा टकराई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। कीव में अधिकारियों ने बताया कि रूस ने इस महीने नौवीं बार यूक्रेनी राजधानी को निशाना बनाया है। इस बार कैस्पियन क्षेत्र से बमवर्षकों ने इन क्रूज मिसाइलों से हमलों को अंजाम दिया। हमलों के बाद रूस के टोही विमानों ने यूक्रेनी राजधानी के ऊपर उड़ान भी भरी। कीव के सैन्य प्राधिकरण के प्रवक्ता सरहेई पोपको ने कहा, कीव में विस्फोट के बाद गिरे मलबे से एक इमारत में आग लग गई। अभी हताहतों की संख्या पता नहीं चली है।

ट्विटर-गूगल ने यूएस सुप्रीम कोर्ट में हासिल की बड़ी जीत, किसी पोस्ट के लिए कंपनियां जिम्मेदार नहीं

वाशिंगटन। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर और गूगल ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में बड़ी जीत दर्ज की। अदालत ने इन दावों को दरकिनार कर दिया कि इंटरनेट कंपनियों को उनकी साइटों पर पोस्ट की गई सामग्री के लिए जवाबदेह ठहराया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से परिवार के एक व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। न्यायाधीशों ने दो मामलों पर सुनवाई की जिसमें आतंकवादी हमले के पीड़ितों के परिवारों ने दावा किया कि गूगल और ट्विटर को आईएसआईएस की सहायता और उकसाने के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, जिसके परिणामस्वरूप उनके प्रियजनों की मृत्यु हो गई। कंपनियों को धारा 230 संरक्षण मिला है इस धारा के तहत कोई भी सोशल मीडिया कंपनी अपनी वेबसाइट पर उपयोगकर्ता द्वारा डाली गई चीजों के लिये जिम्मेदार नहीं होगी। 'कम्युनिकेशन डीसेंसी ऐक्ट' की 'धारा 230' को पहली बार वर्ष 1996 में अधिनियमित किया गया था। इसके तहत इंटरनेट कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर साझा किये गए डाटा से कानूनी सुरक्षा मिलती है। पहले इस धारा को ऑनलाइन पोर्नोग्राफी को रेगुलेट करने के लिये लाया गया था। धारा 230 उस कानून का संशोधन है, जो कि यूजर्स/उपयोगकर्ताओं को उनके किये गए ऑनलाइन कमेंट्स और पोस्ट्स के लिये जिम्मेदार बनाता है। इस धारा के तहत कोई भी सोशल मीडिया कंपनी अपनी वेबसाइट पर उपयोगकर्ता द्वारा डाली गई चीजों के लिये जिम्मेदार नहीं होगी। अगर उपयोगकर्ता वेबसाइट पर कोई भी अवैध या लत चीज डालता/पोस्ट करता है, तो सोशल मीडिया कंपनी के खिलाफ मामला दाखिल नहीं किया जा सकता।

जी7 के लिए जापान रवाना हुए पीएम मोदी

बड़ी इकोनॉमी वाले देशों की बैठक में शामिल होंगे ; सुनक ने रूसी हीरों पर बैन लगाया

टोक्यो।
जापान के हिरोशिमा शहर में जी7 की बैठक के लिए दुनिया की 7 कथित बड़ी अर्थव्यवस्था के नेता एक मंच पर जुटे हैं। गेस्ट के तौर पर इस बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी रवाना हो चुके हैं। वहीं, जापान पहुंचने के बाद जी7 के सभी नेताओं ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर में हिरोशिमा पर हुए परमाणु हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। जी 21 मई तक चलने वाली इस बैठक में क्लाइमेट चेंज और अर्थव्यवस्था के साथ-साथ चीन और रूस पर चर्चा की जाएगी। अमेरिका यूक्रेन जंग के चलते रूस पर 300 पाबंदियां लगाने की योजना बना रहा है। वहीं, बैठक शुरू होने से पहले ही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रूस के हीरों पर बैन लगाने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की भी इस बैठक में शामिल होंगे।

पहली बार हिरोशिमा जा रहे भारतीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 समिट के लिए जापान के हिरोशिमा रवाना होंगे। इसकी जानकारी देते हुए मोदी यहां 21 मई तक रहेंगे। 66 साल बाद यह पहला मौका है जब भारत का कोई प्रधानमंत्री जापान के हिरोशिमा शहर पहुंच रहा है। जवाहरलाल नेहरू 1957 में हिरोशिमा गए थे।

दौरा इसलिए अहम

हिरोशिमा में मोदी की मौजूदगी अहम है। दरअसल, भारत उन देशों में शामिल है जिसने न्यूक्लियर नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी पर साइन नहीं किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य परमाणु परीक्षण पर रोक लगाना है। हिरोशिमा दुनिया का पहला शहर है, जहां इतिहास का पहला और अब तक आखिरी एटमी हमला किया गया था।

पीस मेमोरियल पार्क भी जाएंगे

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा- हिरोशिमा में मोदी महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। समिट के बाद वो जी-7 नेताओं के साथ पीस मेमोरियल पार्क भी जाएंगे। ये पार्क न्यूक्लियर अटैक के पीड़ितों की याद में बनाया गया है।

मीटिंग सिडनी की जगह हिरोशिमा में कराने की कोशिश

क्वात्रा ने कहा- मोदी जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा समेत अन्य देशों के नेताओं के साथ आपसी संबंधों पर चर्चा करेंगे। हम कोशिश कर रहे हैं कि देशों के नेताओं की बैठक भी हिरोशिमा में ही हो जाए। इसकी वजह यह है कि डेट्स की प्रॉब्लम के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सिडनी दौरा रद्द कर चुके हैं।

क्वात्रा ने बताया कि जी-7 समिट के बाद पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी जाएंगे। यहां वो कुछ ही घंटे रुकेंगे और फिर 22 मई को ऑस्ट्रेलिया रवाना हो जाएंगे।

चीन के दबदबे को कम करने जी7 देश बनाएंगे प्लान

समिट के दौरान रूस-यूक्रेन जंग पर भी चर्चा होगी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि इस दौरान चीन के बढ़ते आर्थिक दबदबे पर चर्चा की जाएगी। जॉइंट स्टेटमेंट में एक पूरा सेक्शन चीन की चुनौती से निपटने के तरीकों पर भी होगा। बाइडेन की फॉरेन पॉलिसी का फोकस चीन से मुकाबलेपर है। हालांकि, डोनाल्ड ट्रम्प ने भी जी7 के जरिए चीन के आर्थिक दबदबे पर सवाल उठाए थे, लेकिन उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था। हिरोशिमा में शुरू हो रही बैठक चीन के खिलाफ जी7 देशों की एकजुटता को भी परखेगी। दरअसल, पिछले महीने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चीन से लौटने के बाद वन चाइना पॉलिसी का समर्थन किया था। मैक्रों ने कहा था कि हमें चीन से संबंधों पर अमेरिका के दबाव से बचना होगा। ऐसे में फ्रांस जी7 देशों के जॉइंट स्टेटमेंट में चीन के खिलाफ बयानबाजी को ले कर बचने की कोशिश कर सकता है।

हमले के करीब नौ महीने बाद सामने आए मशहूर लेखक सलमान रुश्दी, अमेरिका में किया गया सम्मान

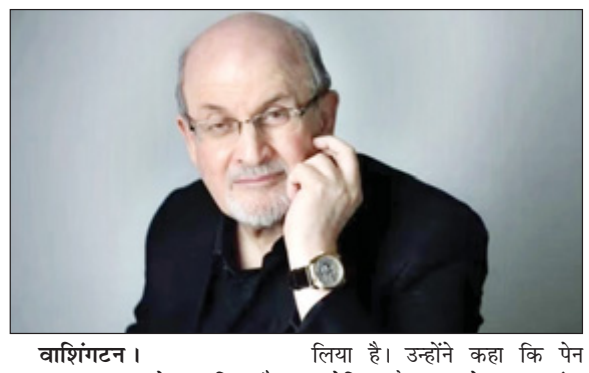

वाशिंगटन।
बुकर पुरस्कार से सम्मानित और भारतीय मूल के लेखक सलमान रुश्दी करीब नौ महीने बाद सार्वजनिक रूप से सामने आए। दरअसल, पिछले साल अगस्त में रुश्दी पर न्यूयॉर्क में चाकू से हमला किया गया था। हमलावर ने उनकी गर्दन, हाथ और पेट पर चाकू से वार किए थे। इस घटना में उनकी एक आंख की रोशनी भी चली गई। घातक हमले के बाद पहली बार वह न्यूयॉर्क शहर में पेन अमेरिका के वार्षिक समारोह में शामिल हुए।

करेज अवार्ड से सम्मानित

मैनहट्टन में स्थित अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के 2023 लिटरेरी गाला में शामिल होकर 75 वर्षीय रुश्दी ने सबको चौंका दिया। दरअसल, उनके कार्यक्रम में शामिल होने की किसी भी तरह की कोई घोषणा नहीं की गई थी। इस दौरान, पेन अमेरिका ने भारत में जन्मे लेखक को पेन सेंटेनरी करेज अवार्ड से सम्मानित किया।

रुश्दी ने दर्शकों की तालियों की गूंज के बीच सभी का अभिवादन किया और कहा कि वापस नहीं आने का मेरे पास विकल्प था। लेकिन मुझे वापस आकर अच्छा लग रहा है। मुझे खुशी है कि जिंदगी ने इस तरह मोड़ लिया है। उन्होंने कहा कि पेन अमेरिका के साथ मेरा एक लंबा जुड़ाव है। मैं लेखकों के बीच वापस आकर बहुत खुश हूं।

चाकू से किया गया था हमला

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में पिछले साल एक कार्यक्रम के दौरान अंग्रेजी भाषा के मशहूर लेखक सलमान रुश्दी पर हमला किया गया था। रुश्दी पर उस समय हमला किया गया था, जब वह पश्चिमी न्यूयॉर्क में आयोजित एक कार्यक्रम में भाषण देने वाले थे। कार्यक्रम में उनका परिचय कराया जा रहा था कि तभी एक व्यक्ति मंच पर चढ़ा और रुश्दी को घूंसों से वार करने लगा। इसके बाद उसने चाकू से उन पर हमला कर दिया। रुश्दी की गर्दन पर चोट आई है। हमलावर की पहचान न्यू जर्सी निवासी 24 वर्षीय लेबनानी मूल के अमेरिकी नागरिक हादी मातर के रूप में हुई थी।

20 सेकंड में कई वार हमला

बताया जाता है कि हमलावर ने 20 सेकंड में कई वार किए थे। हमले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता था कि घटना के बाद स्टेज पर काफी खून बिखरा पड़ा दिखाई दिया था। वहां मौजूद लोगों ने हमलावर को पकड़ लिया था।

चरवाहों और किसानों के बीच खूनी झड़प में अब तक 85 लोगों की मौत, हजारों हुए विस्थापित

अबुजा।
नाइजीरिया में किसानों और चरवाहों के बीच हुई खूनी झड़प में अब तक 85 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। वहीं, मध्य नाइजीरिया में तीन हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। पठार राज्य के कई गांवों में हिंसा भड़क उठी, जिसमें 30 की प्रारंभिक मौत हुई। यह क्षेत्र सालों से जातीय और धार्मिक तनाव से जूझ रहा है। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पठारी राज्य के मंगू जिले के कई गांवों में भी हिंसा हुई। यह संकट उन कई सुरक्षा चुनौतियों में से एक है जिसका सामना नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बोला टीनूबू कर रहे हैं, जो इस महीने के अंत में अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश की कमान संभालेंगे। स्थानीय सरकार परिषद के अध्यक्ष दापूत मंत्री डेनियल ने एएफपी को बताया, 85 शव बरामद किए गए हैं। स्थानीय मवाघवुल डेवलपमेंट एसोसिएशन के एक समुदाय के नेता जोसेफ ग्वांकट ने बताया, खोज और बचाव दल ने 85 शव बरामद किए हैं।

तीन हजार से ज्यादा हुए विस्थापित - नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने कहा कि हिंसा के परिणामस्वरूप हजारों लोग विस्थापित हुए और सैकड़ों घर नष्ट हो गए। एनईएमए के क्षेत्रीय समन्वयक यूजीन नाइलोंग ने एएफपी को बताया, हिंसा की वजह से कम से कम 3683 लोग विस्थापित हुए। उन्होंने कहा कि 720 से अधिक घर या तो आंशिक रूप से या पूरी तरह से नष्ट हो गए। घायलों की संख्या स्पष्ट नहीं थी।

हिंसा के मामले में पुलिस ने पांच किए गिरफ्तार - नेता ग्वांकट ने कहा कि 57 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि नाइलोंग ने कहा कि हमलों में अनुमानित 216 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने कहा कि हिंसा के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने कहा, मौके पर भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। अब तक सामान्य क्षेत्र में शांति बहाल हो गई है।

हिंसा से जुड़े केस में इमरान को प्री-अरेस्ट बेल : 400 पुलिसकर्मी उनके घर जमान पार्क की तलाशी लेंगे ; 6 फरार टेररिस्ट गिरफ्तार

लाहौर।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को हिंसा से जुड़े 3 केस में प्री-अरेस्ट बेल दे दी गई है। इमरान की गिरफ्तारी के बाद इस्लामाबाद समेत पाकिस्तान के कई शहरों में 9 मई को हिंसा हुई थी। एंटी टेररिज्म कोर्ट ने 2 जून तक इमरान को जमानत दी है। यह भी कहा है कि उन्हें जांच में शामिल होना होगा। इस बीच, लाहौर के कैपिटल सिटी पुलिस अफसर ने दावा किया कि उनकी टीम ने इमरान के घर जमान पार्क से फरार हुए 6 और आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके दावे के मुताबिक, अब तक 14 आतंकवादियों को अरेस्ट किया जा चुका है। ये 9 मई को लाहौर में आर्मी के ठिकानों और उसके अफसरों के घर हुई हिंसा में शामिल थे। वहीं, पंजाब पुलिस को इमरन खान के घर कि तलाशी लेने के लिए वारंट मिल गया है। 400 पुलिसवाले इमरान के घर की तलाशी लेंगे। इसके पहले पंजाब के केयरटेकर चीफ मिनिस्टर मोहसिन नकवी ने सरकार की एक टीम जमान पार्क भेजने का फैसला किया था। इस टीम ने इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं से

बातचीत की, जिसके बाद कोर्ट ने सर्च वारंट इश्यू किया है। सरकार ने इमरान को अल्टीमेटम दिया था कि वह अपने घर में छिपे 30-40 आतंकवादियों को पुलिस के हवाले कर दें। खान के घर से भागने के लिए आतंकियों ने नहर का सहारा लिया- पुलिस एक पुलिस अफसर ने कहा- जमान पार्क के करीब एक पुल है। इसके नीचे नहर है। पुलिस ने पुल पर पहले ही चेक पॉइंट लगा रखा था। लिहाजा, कुछ लोग नहर के रास्ते भागने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। लोग और ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वो हमारी टीम को देखकर वापस जमान पार्क चले जाते हैं। हमारे पास पुख्ता जानकारी है कि जमान पार्क में कई लोगों को छिपाया गया है। जैसे ही ऑर्डर मिलेगा, सिक्योरिटी फोर्सेज ऑपरेशन शुरू कर देंगी। 9 मई को जिन्ना हाउस, आर्मी हेडक्वॉर्टर और आईएसआई हेडक्वॉर्टर पर हमले हुए थे। माना जाता है कि ये हमले पीटीआई कार्यकर्ताओं ने किए थे। इस बात का सबूत देते हुए 18 मई को होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 8 मई को खैबर पख्तूनख्वा से करीब 88 लोग जमान पार्क लाए गए थे। इन लोगों की शिनाख्त के बाद मोबाइल फोन ट्रेस किए गए। लोकेशन जमान पार्क में मिली। या तो खान खुद इन्हें सौंप दें, या सिक्योरिटी फोर्सेज अपना काम करेंगीं।

राणा ने कहा- ये 40 लोग वही हैं, जिन्हें जब इमरान प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने रिहा किया था। इनका ताल्लुक तालिबान से है। खान अब इन्हें सिक्योरिटी फोर्सेज के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं।

1.5 करोड़ साल पुराने जीवाश्म से खुलासा

हजारों साल में भी समाप्त नहीं होता जीवों का वजूद

मेलबर्न।
हजारों बरस पहले विलुप्त हो जाने के बावजूद धरती से जीवों का वजूद समाप्त नहीं होता। एक नये अध्ययन में हमने पश्चिमोत्तर क्वींसलैंड के वानयी क्षेत्र के विश्वप्रसिद्ध 'रिवरस्लेघ वर्ल्ड हेरीटेज एरिया' से विशाल भालू जैसी धाणी प्राणी के 1.5 करोड़ साल पुराने जीवाश्म के अध्ययन से ऐसा किया है। (धाणी प्राणी कोई भी ऐसा पशु है जिसमें मादा अपने बच्चे को पेट पर लगी थैली में रखती है।) पेड़ों पर रहने वाले धाणी प्राणी को 'निंबाडोन' कहा जाता था और उसका वजन करीब 70 किलोग्राम था। यह आस्ट्रेलिया से अब तक ज्ञात, पेड़ों पर रहने वाला सबसे बड़ा स्तनधारी जीव था। निंबाडोन का संबंध काफी पहले विलुप्त हो चुके विशालकाय धाणी प्राणी के भिन्न समूह 'डिप्रोटोडोन्टोइड्स' से है। उनमें वे बड़े-बड़े जानवर हैं जो कभी धरती पर रहते थे। उनमें ढाई टन का ड्रिप्रोटोडोन शामिल है। आधुनिक जीवों में निंबाडोन का काफी हद तक संबंध 'वुम्बैट' से है। लेकिन अब भी बड़े अचरज की बात है कि शरीर के आकार एवं जीवन शैली की दृष्टि से वे दक्षिणपूर्व एशिया में पाए जाने वाले भूरे भालू से काफी मिलते जुलते हैं जो आजकल दक्षिणपूर्व एशिया के वर्षाच्छादित वनों में पेड़ों पर चढ़ते देखा जा सकता है। जब हमें पहली बार 1993 में रिवरस्लेघ में निंबाडोन के जबड़े की हड्डियां मिलीं तब हमने सोचा कि ये पत्तियां खाने वाला धाणी प्राणी है जो वनों में खुराक की खोज में घूमता था। लेकिन हमने पाया कि हमें रिवरस्लेघ से अब तक जितनी प्रजातियां मिली थीं उनका गहन अध्ययन करने पर हमें उनके बारे में और विचित्र एवं आकर्षक बातें पता चलीं। अब हम निंबाडोन को उसके संपूर्ण कंकाल जान चुके हैं । थैली में उसकी शैशवावस्था से लेकर उसके पूर्ण वयस्क जीव बनने तक की विकास यात्रा के विभिन्न चरण हम समझ चुके हैं। हमें पता चला है कि मजबूत बाजुओं के साथ ही

उसके कंधों और कुहनियों के जोड़ काफी लचीले थे। पेड़ों पर चढ़ने के लिए उसकी हथेलियां और पंजे घुमावदार जो पेड़ों की छाल में घुसने और शाखाओं को पकड़ने में सक्षम थे। हमें यह भी पता चला है कि इन जीवों को पेड़ों पर चढ़ने में महारत हासिल थी और अपने समकालीन निकटतम जीवों -धरती पर विचरने वाले वुंबैट के मुकाबले ये काफी भिन्न जिंदगी जीते थे। निंबाडोन डेढ़ करोड़ साल पहले ऑस्ट्रेलियाई वर्षा वनों के तराई वाले इलाकों में रहते थे। ये जैवविविधता से भरे हरे-भरे जंगल कुछ समान रूप से अजीब जानवरों का घर हुआ करते थे, जैसे कि मांस खाने वाले कंगारू, पेड़ पर चढ़ने वाले मगरमच्छ, पुश्तैनी थाइलेसीन, बिल्ली से लेकर तेंदुए के आकार के मार्सुपियल शेर, विशाल एनाकोंडा , विशालकाय दांत वाले प्लैटिपस और रहस्यमयी मार्सुपियल। आज हम जो आस्ट्रेलिया देखते हैं, वह उससे बहुत अलग था।हमने निंबाडोन की हड्डी के शाफ्ट से एक खंड को हटाकर इसे एक घोल में डुबोया। तेज धार ब्लेड का उपयोग करते हुए, हमने अपने नमूनों को पतले टुकड़ों में काटा और उन्हें तब तक पॉलिश किया जब तक कि प्रकाश उनके माध्यम से न गुजर सके। इन टुकड़ों का अध्ययन करने के लिए इन्हें ग्लास माइक्रोस्कोप स्लाइड्स पर लगाया गया । हैरान करने वाली बात यह थी कि लाखों वर्षों के जीवाश्मीकरण के बाद भी, जीवाश्म हड्डियों की सूक्ष्म संरचना अक्षुण्ण बनी हुई थी। हम यह जानकर चकित थे कि निंबाडोन समय-समय पर तेजी से बढ़ा। कुछ में तेजी से वृद्धि देखी गई और उसके बाद वृद्धि की गति धीमी पायी गयी । अब हम इसके भोजन को समझने के लिए इसके दांतों का अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिकों की माने तो जीवों के जीवाश्म कंकालों का गहन अध्ययन करके हम उनकी जीवन शैली, उनकी भोजन प्रणाली, उनकी चाल ढाल और उनके विकास क्रम को समझ सकते हैं । यह कह सकते हैं कि ये जीवाश्म कंकाल एक प्रकार का बाइस्कोप हैं जिनमें झांक कर हम इन जीवों की हजारों बरस पहले की दुनिया में पहुंच जाते हैं । जीवाश्म अस्थियों के विभिन्न तत्वों का विश्लेषण कर हम न केवल उस जीव के संपूर्ण आकार का पता लगा सकते हैं बल्कि उसकी चाल ढाल एवं उसकी जीवन शैली के तौर-तरीके जान सकते हैं।